शिक्षण-अधिगम और मूल्यांकन
(Teaching-Learning and Evaluation)

शिक्षण-अधिगम और मूल्यांकन
(Teaching-Learning and Evaluation)

सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों में 20-20 अंक के दो मिड होंगे।		
प्रथम मिड 20 अंक का लिखित होगा एवं दूसरा मिड 20 अंक लिखित/असाइमेन्ट/प्रस्तुतीकरण हो सकता है।		
सत्रांत परीक्षा 60 अंको की होगी। प्रश्नों एवं अंको का वर्गीकरण निम्नलिखित प्रकार से होगा-		
(1) व्याख्या/आलोचनात्मक प्रश्न	=	3x7=21
(2) समीक्षात्मक एवं विचारपरक प्रश्न	=	3x7=21
(3) लघु उत्तरीय प्रश्न	=	3x4=12
(4) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न	=	6x1=06
	Total	60

- **संकाय वृत्त (Faculty Profile)**

विभाग के शिक्षकों- संक्षिप्त परिचय

प्रो. चंदा बैन

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

एम.ए., पी-एच.डी.

विशेषज्ञता- कविता एवं भाषाविज्ञान, बुन्देली लोकसाहित्य में विशेषज्ञता के साथ ही अनेक पुस्तक एवं शोध आलेख प्रकाशित. दलित विमर्श एवं पर्यावरण विमर्श में उल्लेखनीय कार्य. 33 वर्ष का अध्यापकीय जीवन में विश्वविद्यालय की अनेक प्रशासनिक समितियों में कार्यानुभव.

प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी

प्रोफेसर, पी-एच.डी., डी.लिट.

विशेषज्ञता- कथा साहित्य नाटक एवं लोकसाहित्य में उल्लेखनीय कार्य. एक दर्ज़न से अधिक पुस्तकें एवं 50 से अधिक शोधपत्रों के साथ हिन्दी की अकादमिक दुनिया में चर्चित हैं. हिन्दी की महत्वपूर्ण पत्रिका 'शब्दशिखर' का संपादन. 35 वर्ष का अध्यापन अनुभव.

डॉ. राजेन्द्र यादव
असिस्टेंट प्रोफेसर (ग्रेड-II)
एम.ए., पी-एच.डी.
विशेषज्ञता- भक्तिकाल, समकालीन हिंदी कविता, आलोचना और बुन्देली लोक साहित्य. एक दर्ज़न पुस्तकें एवं 50 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित. बुन्देली पीठ के सचिव एवं लोक साहित्य संस्कृति की महत्वपूर्ण पत्रिका 'ईसुरी' के संपादक.

डॉ. आशुतोष कुमार मिश्र
असिस्टेंट प्रोफेसर
एम.ए., पी-एच.डी., नेट-स्लेट
विशेषज्ञता- हिंदी साहित्य का इतिहास, कथा-आलोचना एवं नवसाहित्यिक विमर्शों में विशेषरूचि. समकालीन हिन्दी कहानी के क्षेत्र में अपनी कहानियों को लेकर प्रसिद्ध. भारतीय ज्ञानपीठ नवलेखन अनुशंषा पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषद का "युवा पुरस्कार" प्राप्त. कहानियों के दो संग्रह "मरें तो उम्र भर के लिए" (2014) भारतीय ज्ञानपीठ ,नई दिल्ली से और "उम्र पैंतालीस बतलायी गयी थी" (2017), आधार प्रकाशन, चंडीगढ़ से प्रकाशित.

डॉ. अफरोज बेगम
असिस्टेंट प्रोफेसर
एम.ए., पी-एच.डी., नेट.
विशेषज्ञता- समकालीन हिंदी कविता, हिंदीसाहित्य का इतिहास, आलोचना.
अनेक शोध आलेख राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित.

डॉ. अरविन्द कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर
एम.ए., एम.फिल., पी-एच.डी., नेट.
विशेषज्ञता- दलित साहित्य और कथा साहित्य. अनेक शोध आलेख राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित.

डॉ. हिमांशु कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर
पी-एच.डी., नेट-JRF
विशेषज्ञता- हिंदी पत्रकारिता, प्रयोजनमूलक हिंदी, कथासाहित्य और आलोचना.
अनेक शोध आलेख राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित.

अतिथि शिक्षक संक्षिप्त परिचय

डॉ. लक्ष्मी पाण्डेय
गेस्ट फैकल्टी,
एम.ए.,पी-एच.डी., डी.लिट्.
विशेषज्ञता- कथा साहित्य. दो दर्जन से अधिक पुस्तकें एवं पचास से अधिक शोध आलेख प्रकाशित.

डॉ. अवधेश कुमार
गेस्ट फैकल्टी,
एम.ए.,पी-एच.डी., नेट-स्लेट
विशेषज्ञता- हिन्दी भक्तिकाल. एक दर्ज़न से अधिक शोध आलेख राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित.

प्रदीप कुमार सौर
गेस्ट फैकल्टी,
एम.ए.,नेट
विशेषज्ञता- आधुनिक काव्य

डॉ. सुजाता मिश्रा
गेस्ट फैकल्टी,
एम.ए.,पी-एच.डी.
विशेषज्ञता- हिन्दी पत्रकारिता, कथा साहित्य और आलोचना

विभागीय अशैक्षणिक सदस्य

श्री जवाहर चौरसिया
निम्न श्रेणी लिपिक
एम.ए. (प्राचीन भारतीय इतिहास)

श्रीमती सरोज
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी
आठवीं

श्री यश उपाध्याय
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (आउट सोर्स)
इन्टरमीडिएट

- **छात्र नामांकन और प्रोफाइल (Student Enrolment and Profile)**

PG

Year	No. of Seats Available	Application Received	Selected	Enrolled	Pass Percentage
2015-16	55	32	11	11	100%
2016-17	55	33	08	08	100%
2017-18	40	25	10	10	100%
2018-19	40	40	14	13	99%
2019-20	46	57	21	20	99%
2020-21 (Till 30 June, 21)	50	65	28	28	100%

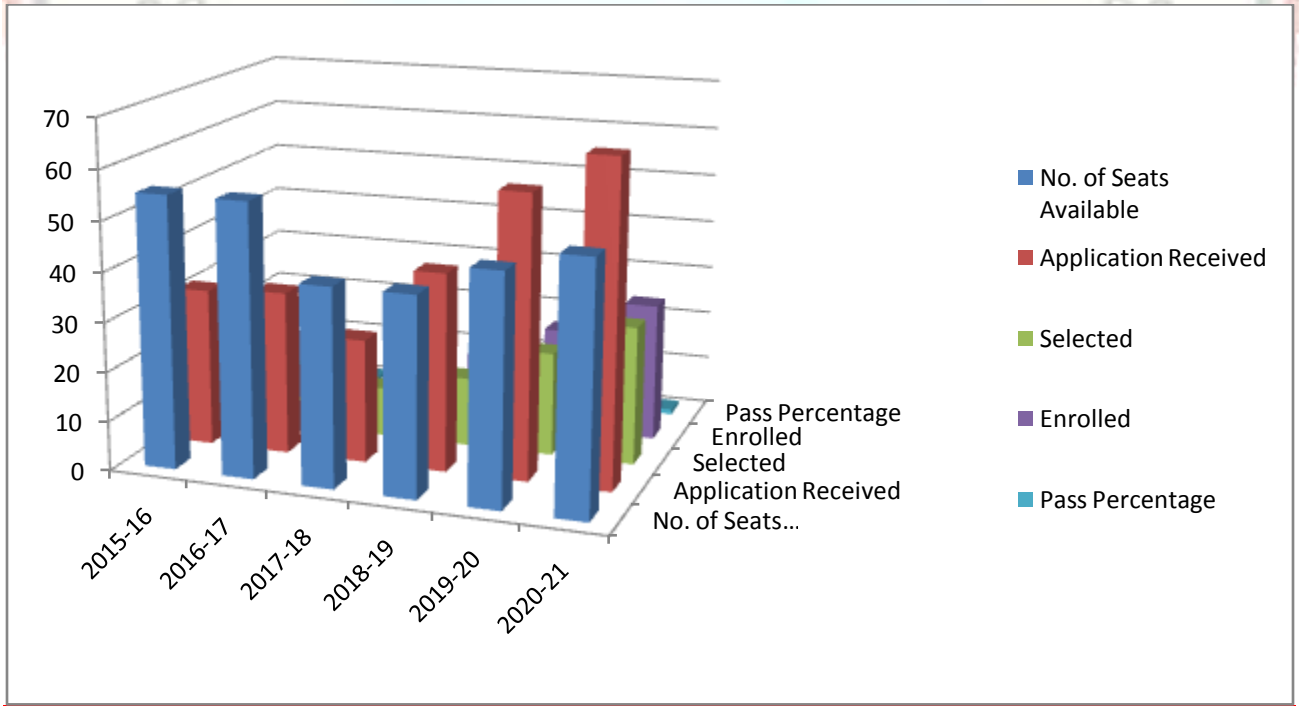

Ph.D.

Year	No.of Seats Available	Application Received	Selected	Enrolled
2015-16	13	204	13	13
2016-17	06	172	06	06
2017-18	01	68	01	01
2018-19	03	118	03	03
2019-20	02	78	02	02

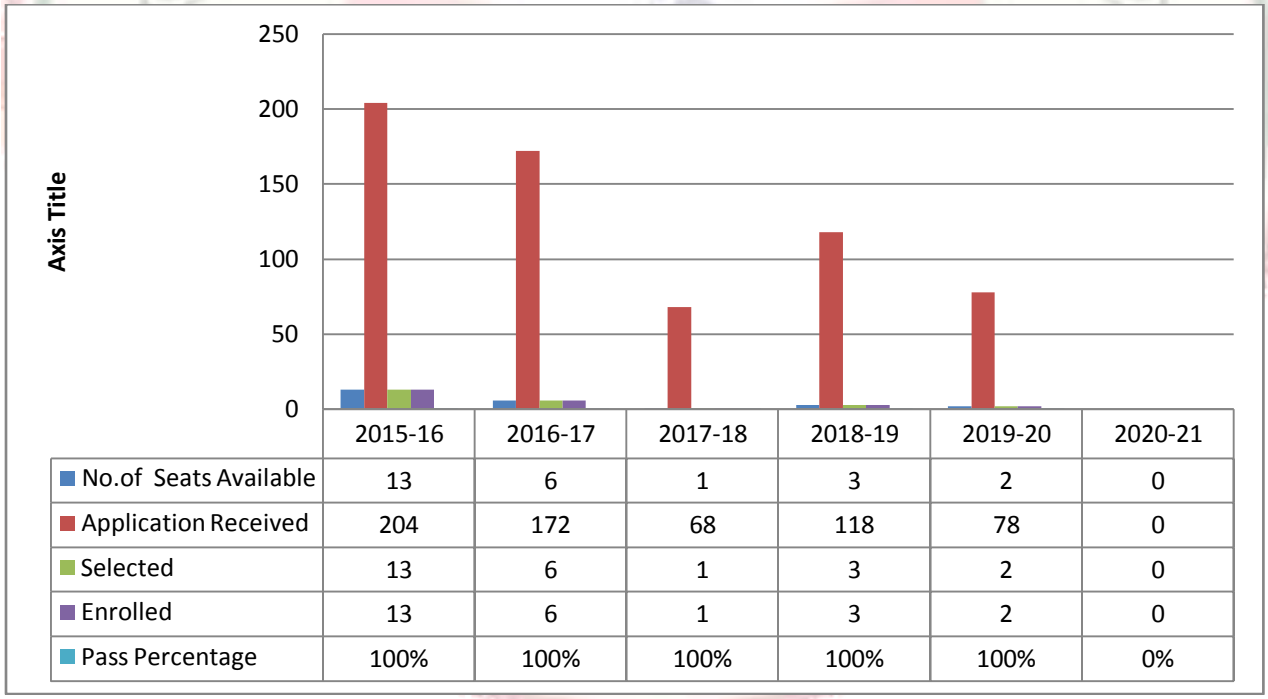

	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
No.of Seats Available	13	6	1	3	2	0
Application Received	204	172	68	118	78	0
Selected	13	6	1	3	2	0
Enrolled	13	6	1	3	2	0
Pass Percentage	100%	100%	100%	100%	100%	0%

• शिक्षण-अधिगम एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया (Teaching - Learning Process & Evaluation)

शिक्षण अधिगम एवं मूल्यांकन हेतु विभिन्न प्रकार की नवाचारी प्रक्रियाएँ उपयोग में लायी जाती हैं. उनमे से कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं (For teaching learning process various techniques are utilized as mentioned below):

- **पारंपरिक तरीके से नियमित कक्षा शिक्षण।**
  (Regular classroom teaching in traditional mode.)
- **सहकर्मी (पीयर) लर्निंग के लिए छात्रों द्वारा प्रस्तुति।**
  (Presentation by the students for peer learning.)
- **छात्रों के लिए आईसीटी सक्षम शिक्षण।**
  (ICT enabled teachings for students.)
- **छात्रों को नोट्स और हैंड आउट्स का वितरण।**
  (Distribution of notes and handouts to the students.)
- **पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण और छात्रों की शंकाओं का समाधान।**
  (Revision of the syllabus and clearing doubts of the students.)
- **महामारी की अवधि के दौरान Google मीट का उपयोग करके लाइव व्याख्यान।**
  (Live lectures through using Google meet during pandemic period.)

✓ **छात्रों का मूल्यांकन परीक्षा की निम्न योजना के माध्यम से किया जाता है (Students are evaluated through the under-mentioned scheme of examination) :**

(a) Mid Semester Examination	:	20 Marks
(b) Internal Assessment	:	20 Marks
(c) End Semester Examination	:	60 Marks
	Total :	***100 Marks***

✓ **छात्रों का आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित विधियों में से किसी एक का उपयोग करके किया जाता है (The internal assessment of the students is done through using any one of the following methodologies):**

(i) Assignment
(ii) Presentation
(iii) Group Discussion

- ✓ **आंतरिक मूल्यांकन के लिए अंकों का वितरण नीचे दिए गए विवरण के अनुसार प्रदान किया गया है (The distribution of marks for the Internal Assessment is provided as per the details below):**

(i)	**Evaluation of the assignment, Presentation, group discussion etc.**	**:**	**15 Marks**
(ii)	**Attendance**	**:**	**05 Marks***

***The marks for attendance are awarded as follows:**

(i)	**75 % and below**	**:**	**00 Mark**
(ii)	**> 75% and upto 80%**	**:**	**01 Marks**
(iii)	**> 80% and upto 85%**	**:**	**02 Marks**
(iv)	**> 85% and upto 90%**	**:**	**03 Marks**
(v)	**> 90% and upto 95%**	**:**	**04 Marks**
(vi)	**> 95%**	**:**	**05 Marks**

- ✓ **सेमेस्टर की सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए विद्यार्थी को मध्य सेमेस्टर परीक्षा आंतरिक मूल्यांकन (मिड-1 एवं मिड -2) में अनिवार्य रुप से उपस्थित होना होगा।**

(To be eligible to appear in End Semester Examination, a student must appear in Mid Semester Examination and Internal Assessment.)

- ✓ **विद्यार्थियों के लिए कक्षा में 75% उपस्थिति अनिवार्य है।**

(It's compulsory for the students to have 75% attendance in the classroom.)

***